हमारा दून

संक्षिप्त समाचार

27 ग्राम स्मैक के साथ महिला समेत दो गिरफ्तार

संवाददाता ऋषिकेश। ऋषिकेश पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। कोतवाली पुलिस ने कैंपिंग और राफ्टिंग एरिया में सप्लाई के लिए ले जाई जा रही कुल 27 ग्राम अवैध स्मैक के साथ एक युवक और महिला को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि वह बरेली से सस्ते दामों पर खरीदकर यहां ऊंचे दामों पर बेचते थे। कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक महेश जोशी ने बताया कि सोमवार को श्यामपुर फाटक के पास चेकिंग के दौरान एक व्यक्ति और महिला को रोका गया। उनकी तलाशी ली गई तो दोनों के पास से कुल 27 ग्राम स्मैक बरामद की गई।

पुरोला विधायक राजकुमार ने विधानसभा की सदस्यता से दिया इस्तीफा

संवाददाता देहरादून। 2022 हाल ही में भाजपा में शामिल होने वाले पुरोला से विधायक राजकुमार ने विधान सभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। विधानसभा अध्यक्ष प्रेमचंद अग्रवाल ने इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। आपको बता दें कि राजकुमार कांग्रेस के विधायक थे। उत्तरकाशी जिले के पुरोला से कांग्रेस विधायक राजकुमार ने 12 सितंबर को नई दिल्ली भाजपा मुख्यालय में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया प्रमुख व राज्यसभा सदस्य अनिल बलूनी, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक की मौजूदगी में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की थी।

एचडीएफसी बैंक ने उत्तराखंड में 24 गोल्ड लोन डेस्क लॉन्च किए

संवाददाता देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को राज्य भर में 24 शाखाओं में एचडीएफसी बैंक के गोल्ड लोन डेस्क को डिजिटल रूप से लॉन्च किया। यह सुविधा लोगों को न्यूनतम दस्तावेजीकरण और पारदर्शी शुल्क के साथ अपने बेकार पड़े सोने का अधिकतम लाभ उठाने की अनुमति देगी। गोल्ड लोन 3 महीने से लेकर 24 महीने तक की अवधि के लिए उपलब्ध होगा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वर्चुअल रूप से गोल्ड लोन डेस्क का शुभारंभ करते हुए कहा, बैंकिंग सुविधाएं लोगों को वित्तीय रूप से सशक्त बनाने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

माचो स्पोर्टो अपने टॉइंग के साथ लौट आया है!

संवाददाता देहरादून। अमूल माचो ने काफी समय पहले साल 2007 में अमूल माचो अंडरवियर के लिये साहस से भरा टेलीविजन विज्ञापन ''ये तो बड़ा टॉइंग' है' लॉन्च कर जेंडर स्टीरीयोटाइप्स पर चोट की थी। उस विज्ञापन में महिला की इच्छा (डिजायर) पर फोकस किया गया था। इस जिंगल ने एक कल्ट जैसी प्रसिद्धि पाई है।

मौलिक उत्पादों को वैश्विक मिल रही पहचानः उनियाल

कार्यक्रम

■ उत्तराखण्ड राज्य के उत्पादों के भौगोलिक संकेतांक का वितरण समारोह कार्यक्रम का हुआ आयोजन

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड सचिवालय स्थित वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली सभागार में बौद्विक सम्पदा भारत के अंतर्गत उत्तराखण्ड राज्य के उत्पादों के भौगोलिक संकेतांक(ज्योग्राफिकल इण्डिकेशन) का वितरण समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें कृषि मंत्री सुबोध उनियाल एवं उद्योग मंत्री गणेश जोशी द्वारा राज्य के सात उत्पादों(कुमांऊ च्यूरा ऑयल, मुनस्यारी राजमा, उत्तराखण्ड का भोटिया दन, उत्तराखण्ड ऐंपण, उत्तराखण्ड रिंगाल क्राफ्ट, उत्तराखण्ड ताम्र उत्पाद एवं उत्तराखण्ड थुलमा) को भौगोलिक संकेतांक(ज्योग्राफिक इन्डिकेशन) प्रमाण पत्र वितरित किये गए।

कार्यक्रम के अवसर पर प्रधानमंत्री के सलाहकार भास्कर खुल्बे एवं सचिव डीपीआईआईटी भारत सरकार अनुराग जैन द्वारा वीडियो कान्फ्रेन्स के माध्यम से प्रतिभाग किया गया।

इस दौरान कृषि मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि राज्य के लिए बहुत बड़े गौरव का विषय है कि यहां के मौलिक उत्पादों को वैश्विक पहचान मिलती जा रही है। कहा कि वोकल फॉर लोकल और स्थानीय प्रोडक्ट के प्रचार–प्रसार में जीआई टैग महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। स्थानीय प्रोडक्ट को देश के साथ ही इंटरनेशनल मार्केट में पहचान दिलाने मे जीआई टैग महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में और भी अनेक ऐसे परम्परागत कृषि उत्पाद है जो अपने भौगोलिक क्षेत्र विशेष के आधार पर लगातार वैश्विक पहचान बनाते जा रहे है। उत्तराखण्ड में कुल 6.48 लाख हैक्टेयर कृषि भूमि हैं जिसमें 3.50 लाख हैक्टेयर क्षेत्रफल पर परम्परागत कृषि उत्पादों का उत्पादन हो रहा है। अभी तक तेजपत्ता प्रदेश का पहला जीआई टैग प्राप्त करने वाला उत्पाद था। उन्होंने कहा कि उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तराखण्ड सरकार के निर्देशन पर उत्तराखण्ड लाल चावल, बेरीनाग चाय, उत्तराखण्ड गहत, उत्ताराखण्ड मण्डुआ, उत्तराखण्ड झंगोरा, उत्तराखण्ड बुरांस सरबत, उत्तराखण्ड काला भट्ट, उत्तराखण्ड चौलाई/रामदाना, अल्मोड़ा लाखोरी मिर्च, उत्तराखण्ड पहाड़ी तोर दाल, उत्तराखण्ड माल्टा फ्रूट जैसे 11 कृषि उत्पादों का जीआई टैग लिये जाने का कार्य भी फाईल कर दिया गया है।

इस दौरान उद्योग मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि जिन उत्पादों को भौगोलिक संकेतांक प्रमाण–पत्र प्राप्त हुए है, अब उन उत्पादों की मार्केट में ब्राडिंग बढ़ने से अधिक डिमांड बढ़ेगी तथा उनको अच्छा मूल्य प्राप्त होगा। जिससे इन उत्पादों से जुड़े हुए उत्पादक सीधे–सीधे लाभान्वित होंगे। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड सरकार के निर्देशन पर अन्य उत्पादों का जीआई टैग किये जाने का भी कार्य जारी है।

इस कार्यक्रम के अवसर पर तकनीकी कार्यशाला का भी आयोजन किया गया जिसमें पदमश्री डॉ रजनीकांत एवं उप रजिस्ट्रार, जीआई सचिन शर्मा द्वारा भौगोलिक संकेतांक से सम्बन्धित जानकारी प्रदान की गई।

इस दौरान कार्यक्रम में संयुक्त सचिव, डीपीआईआईटी भारत सरकार श्रीमती श्रुति सिंह, व संयुक्त सचिव, डीपीआईआईटी भारत सरकार राजेन्द्र रतनू, सचिव कृषि एवं उद्यान मीनाक्षी सुन्दरम, सचिव श्रीमती राधिका झा, महानिदेशक/आयुक्त उद्योग रोहित मीणा, निदेशक उद्योग सुधीर चन्द्र नौटियाल, निदेशक कृषि गौरीशंकर सहित उद्योग एवं कृषि विभाग के अधिकारी/कर्मचारी तथा प्रदेश से आए हुए जैविक किसान/काश्तकार सभागार में उपस्थित थे तथा अन्य लोग विभिन्न जनपदों से वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से उपस्थित रहे।

उत्तराखण्ड निवास उत्तराखंडी संस्कृति का आईना होना चाहिए

समीक्षा

■ नई दिल्ली स्थित निर्माणाधीन भवन ''उत्तराखण्ड निवास'' की समीक्षा की

संवाददाता

उत्तराखण्ड निवास पूरे प्रदेश का प्रतिबिंभ और उत्तराखंडी संस्कृति का आईना होना चाहिए।
–डॉ.एस.एस.सन्धु
मुख्य सचिव।

देहरादून। मुख्य सचिव डॉ.एस.एस.सन्धु ने सोमवार को नई दिल्ली स्थित निर्माणाधीन भवन ''उत्तराखण्ड निवास'' की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने कहा कि उत्तराखण्ड निवास पूरे प्रदेश का प्रतिबिंभ और उत्ताराखंडी संस्कृति का आईना होना चाहिए। उन्होंने उत्तराखण्ड निवास निर्माण की कार्यदायी संस्था उत्तराखण्ड पेयजल निगम को उत्तराखण्ड निवास में डिजाइन की कमियों और सौंदर्यीकरण कार्यों में सुधार लाने के निर्देश देते हुए कहा कि निर्माणाधीन भवन के उन्होंने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखते हुए इसे निर्धारित समय सीमा में पूरा करना सुनिश्चित किया जाए। मुख्य सचिव द्वारा उत्तराखण्ड निवास के नक्शे का अवलोकन करते हुए भवन के सभी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने उत्तराखण्ड भवन में गाडियों की पार्किंग व्यवस्था की भी जानकारी लेते हुए पार्किंग एरिया को अधिक खुला और सुधार किये जाने के निर्देश दिये ।

इसके साथ ही, मुख्य सचिव द्वारा पीडब्लूडी के अधिकारियों से भी उत्तराखण्ड सदन में किये जाने वाले रेनोवेशन/नवीकरण एवं रखरखाव के कार्यो की विस्तृत जानकारी ली गई। उन्होंने निर्देश दिए कि भवन निर्माण में उच्च गुणवत्ता वाले ऐसे मैटेरियल को प्रयोग किया जाए, जिसे कम से कम मेंटेनेंस की आवश्यकता पड़े। उन्होंने भवन के एंट्रेंस और रिसेप्शन को बहुत खूबसूरती के साथ बनाया जाए। उन्होंने गुणवत्ता के लिए थर्ड पार्टी क्वालिटी चेक की व्यवस्था किए जाने के भी निर्देश दिए।

इस अवसर पर स्थानिक आयुक्त डॉ. वीवीआरसी पुरुषोत्तम, अपर सचिव/राज्य सम्पत्ति अधिकारी प्रताप सिंह शाह, पेयजल निगम अधिशासी अभियन्ता राकेश चन्द्र, मुख्य व्यवस्था अधिकारी रंजन मिश्रा एवं उत्तराखण्ड पेयजल निगम स्थानिक अभियंता श्री अरविन्द सैनी, लोक निर्माण विभाग सहायक अभियन्ता प्रदीप कुमार, सहायक अभियन्ता गौरव वर्मा उपस्थित थे।

उत्तराखंड जन विकास मंच ने किया प्रदर्शन

संवाददाता ऋषिकेश। उत्तराखंड जन विकास मंच ने पानी के बिलों की अप्रत्याशित वृद्धि के विरोध स्वरूप और जल मूल्य को कम करने की मांग को लेकर जन जागरूकता रैली निकाल प्रदर्शन किया। इस दौरान मंच के अध्यक्ष आशुतोष शर्मा ने बताया कि मंच पानी के बिलों में 15 प्रतिशत की अप्रत्याशित वृद्धि को कम करने और अन्य संबद्ध बिंदुओं पर उत्तराखंड जन विकास मंच आगामी आंदोलन की रणनीति बना रहा है। अग्रवाल धर्मशाला से जन चेतना रैली शहर के मुख्य–मुख्य मार्गों से होते हुए गांधी स्तंभ त्रिवेणी घाट पहुंची। मंच के अध्यक्ष आशुतोष शर्मा ने बताया कि जन जागरूकता अभियान के दौरान आम जनता की तरफ से बिजली के बिलों पर सरचार्ज खत्म करने, मीटर किराया समाप्त करने व मासिक बिल उपभोक्ताओं को दिए जाने की मांग मंच के सामने प्रमुखता से रखी गई।

In a Digital World Why
To wait for a Howker
Visit Us at https://www.page3news.co.
Supporting Devices
All Apple Touch Phones & Tablets
All Android Touch Phones & Tablets
All Window & BlackBerry Touch Phones 10+

Scan This Code
Read News
Watch News Channel

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ-राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।